राजशाही जीवन और अस्थि रोग

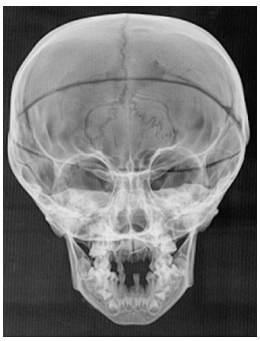

पुरातत्त्व वेत्ताओं ने मध्ययुगीन इटली के खानदानी रईस परिवारों में रिकेट्स का प्रकोप देखा है। रिकेट्स विटामिन डी की कमी से होने वाला हड्डियों का एक रोग है। इसमें हड्डियों का निर्माण ठीक से नहीं होता और वे अत्यंत मुलायम पड़ जाती हैं। रोग ज़्यादा बढ़ जाए, तो हड्डियों में विकृतियां भी पैदा हो जाती हैं। माना जाता है कि रिकेट्स कुपोषण और धूप की कमी की वजह से होता है।

मगर इटली में पुनर्जागरण के शुरुआती दौर में वहां के राजशाही परिवारों में इस रोग के लक्षण मिलना आश्चर्य का विषय है। लियोनार्डो दा विंची और गैलीलियो गैलीली जैसे मशहूर व्यक्तियों के संरक्षक टस्केनी के शासक परिवार के बच्चों के सुरक्षित रखे गए कंकालों के अध्ययन से पुरावेत्ताओं ने निष्कर्ष निकाला है कि ये बच्चे रिकेट्स से पीड़ित थे।

पुरावेत्ताओं का मत है कि इन बच्चों को यह रोग पोषण के अभाव के चलते तो शायद नहीं हुआ होगा। उस समय की जीवन शैली और प्रथाओं को देखते हुए इसकी एकमात्र व्याख्या यही हो सकती है कि राज परिवारों की प्रथाओं के चलते बच्चों को बहुत सारे कपड़े पहनाकर रखा जाता था और खुली हवा और धूप से बचाकर रखा जाता था।

जिन कंकालों का अध्ययन किया गया वे फ्लोरेंस के मशहूर बेसिलिका में पाए गए थे। इनमें से एक कंकाल पांच-वर्षीय फिलिपिनो का है जिसकी हड्डियों में रिकेट्स के स्पष्ट लक्षण पाए गए हैं। खास तौर से उसके हाथ-पैरों की हड्डियों में वक्रता पैदा हो चुकी थी। यदि हड्डियां बहुत मुलायम पड़ चुकी हों, तो घुटने चलने की कोशिश में वे मुड़ जाती हैं। इसके अलावा उसकी खोपड़ी की हड्डी में भी थोड़ी विकृति पैदा हो गई थी।

शोधकर्ताओं ने इन बच्चों की हड्डियों के कोलाजेन में नाइट्रोजन के समस्थानिकों के अनुपात का भी अध्ययन किया। इसके आधार पर उन्होंने इन बच्चों के भोजन में प्रोटीन के स्रोत का पता लगाया। पता चला कि अधिकांश बच्चों को 2 वर्ष की उम्र तक मां का दूध मिलता रहा था। साथ में उस समय की प्रथाओं के मुताबिक उन्हें शायद ब्रेड व सेब से बना आहार मिलता था। इन दोनों में ज़्यादा विटामिन डी नहीं पाया जाता।

कुल मिलाकर लगता है कि इन बच्चों में रिकेट्स का कारण गरीबी नहीं बल्कि एक ऐसी जीवन शैली थी जिसके चलते इन्हें पर्याप्त धूप ही नहीं मिलती थी। यदि ठीक-ठाक पोषण और धूप मिले तो हमारा शरीर विटामिन डी खुद बना लेता है। ***(स्रोत फीचर्स)***